RAJYA SABHA

Friday, the 25th July, 2014/3rd Sravana 1936 (Saka)

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN *in the Chair.*

REFERENCE BY THE CHAIR

The victims of bus-train collision in Medak district, Telangana

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश) : माननीय सभापति जी ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश) : सभापति जी ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : एक मिनट... एक रेफरेंस कर लूं। ...**(व्यवधान)**... एक मिनट, मैं एक रेफरेंस कर लूं। ...**(व्यवधान)**... एक मिनट...बैठ जाइए।

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, as you are aware, fourteen school children as well as the driver and the cleaner of the bus lost their lives and twenty others suffered grievous injuries when a school bus carrying them collided with 57564 Nanded-Hyderabad Passenger Train at an unmanned railway crossing in Medak district of Telangana on 24th July, 2014.

The loss of innocent lives is indeed painful and sad. I am sure, the whole House will join me in expressing our heartfelt sympathy and concern for the families of those who lost their children in this tragedy and praying for the speedy recovery of the injured.

I request Members to rise in their places and observe silence as a mark of respect to the memory of those who lost their lives in this unfortunate tragedy.

(Hon. Members then stood in silence for one minute)

RE. AGITATION BY U.P.S.C. ASPIRANTS

...*(Interruptions)*...

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश) : सर, एक नोटिस मैंने दिया है। ...**(व्यवधान)**... मेरा एक नोटिस है।

श्री सभापति : एक मिनट...एक मिनट ...**(व्यवधान)**...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (मध्य प्रदेश) : सर, यू.पी.एस.सी. के अंदर आज सारे स्टूडेंट्स एजिटेटेड हैं। ...**(व्यवधान)**... जो एक्ज़ाम देने गए थे ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: One at a time, please. ...*(Interruptions)*... Just one minute please. शरद जी, बोलिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवाल : सर, मेरा नोटिस लगा हुआ है। ...**(व्यवधान)**... मेरा नोटिस लगा हुआ है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आपका भी है, शरद जी का भी है। ...**(व्यवधान)**... एक मिनट ...**(व्यवधान)**... एक मिनट ...**(व्यवधान)**... Please don't come into the well. ...*(Interruptions)*... शरद जी बोलिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवाल : सर, नोटिस मेरा है। ...**(व्यवधान)**... चेयरमैन साहब, मेरा नोटिस देखिए। ...**(व्यवधान)**... मेरा नोटिस लगा हुआ है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : मुझे सुन तो लेने दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवाल : मैंने नोटिस दिया है, आप कह दीजिए कि आपका नोटिस ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : मैंने आपका नोटिस देखा है, एक मिनट, आप बात सुन लीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवाल : तो पहले हमको मौका मिलेगा नोटिस पर बोलने का। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : भाई, सुनिए। मैंने आपका नोटिस देखा है, शरद जी का नोटिस देखा है। ...**(व्यवधान)**... सुनिए...सुनिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री शरद यादव (बिहार) : मैं सात दिनों से नोटिस दे रहा हूं। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : मुझे मालूम है, मैंने पढ़ लिया है आपका नोटिस। ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवाल : सर, यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन में अंग्रेजी को बढ़ावा दिया जा रहा है। ...**(व्यवधान)**... आप हमें मौका दीजिए ताकि हम अपनी बात तो रखें। ...**(व्यवधान)**...

श्री शरद यादव : यह कोई गलत बात नहीं है कि ...**(व्यवधान)**... जब मैं सात दिन से नोटिस दे रहा हूं...**(व्यवधान)**... आप क्या बात कर रहे हैं? ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : देखिए, इस पर सरकार ने एक स्टेटमेंट टेबल ऑफ द हाउस पर रखा था। बारह बजे मंत्री जी आएंगे ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवाल : नहीं, नहीं, मंत्री जी न आएं, प्रधान मंत्री जी आएं।*

श्री सभापति : नहीं, नहीं...देखिए... भाई प्लीज़... ...*(Interruptions)*... This is not going on record.

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री (श्री थावर चन्द गहलोत) : सर, यह गलत बात है, यह बहुत गलत बात है। ये इस प्रकार की बातें न करें। ...**(व्यवधान)**...

*Not recorded.

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री तथा विधि और न्याय मंत्री (श्री रवि शंकर प्रसाद) : यह गलत बात है... यह गलत बात है। **...(व्यवधान)...**

श्री सभापति : भाई प्लीज़....नहीं...नहीं **...(व्यवधान)...** प्लीज़ बैठ जाइए।**...(व्यवधान)...**

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री; पर्यावरण, वन और जलवायु परि वर्तन मंत्रालय के राज्य मंत्री; तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रकाश जावडेकर) : सर, यू.पी.एस.सी. के मामले पर क्लैरिफिकेशन्स के लिए स्वयं मंत्री जी बारह बजे आएंगे और क्लैरिफिकेशन्स देंगे। **...(व्यवधान)...**

श्री नरेश अग्रवाल : क्लैरिफिकेशन्स अभी क्यों नहीं हो रहे हैं? **...(व्यवधान)...**

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी : सभापति जी **...(व्यवधान)...**

श्री सभापति : भाई, बैठ जाइए। ...*(Interruptions)*... Please allow Question Hour to proceed. ...*(Interruptions)*... Please don't come into the Well. ...*(Interruptions)*...

The House is adjourned for fifteen minutes.

The House then adjourned at four minutes past eleven of the clock.

The House re-assembled at nineteen minutes past eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN *in the Chair.*

MR. CHAIRMAN: Question No. 261. ...*(Interruptions)*...

श्री नरेश अग्रवाल : माननीय सभापति महोदय **...(व्यवधान)...**

श्री सभापति : अब बात हो गयी है, 12 बजे करिए। **...(व्यवधान)...**

श्री नरेश अग्रवाल : सर, मेरा नोटिस है **...(व्यवधान)...** यह बड़ा बर्निंग टॉपिक है **...(व्यवधान)...**

श्री सभापति : ठीक है **...(व्यवधान)...**

श्री नरेश अग्रवाल : कृपया मेरी बात सुनिए। कल दिल्ली में, यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन के जो एग्ज़ाम्स हो रहे थे, वहां पर जो लड़के आए थे, वे लड़के थोड़ा उग्र हुए क्योंकि इस सरकार ने पिछली बार यह वायदा किया था कि यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन में अंग्रेज़ी की अनिवार्यता को समाप्त किया जाएगा और क्षेत्रीय भाषाओं को तरजीह दी जाएगी **...(व्यवधान)...**

श्री विजय गोयल (राजस्थान) : सर, हम भी इस विषय पर बोलना चाहते हैं।

श्री मुख़्तार अब्बास नक़वी (उत्तर प्रदेश) : सर, हम भी इस पर बोलना चाहते हैं। I am supporting him. ...*(Interruptions)*...

श्री नरेश अग्रवाल : लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। मंत्री के बयान की कोई वेल्यू नहीं है **...(व्यवधान)...** इनके एम.पी. ने अनशन तुड़वाया, फिर भी सारे **...(व्यवधान)...**

श्री विजय गोयल : सर, हम चाहते हैं कि हमें भी इस विषय पर बोलने का मौका दिया जाए। **...(व्यवधान)...**

श्री सभापति : आप बैठ जाइए। **...(व्यवधान)...** देखिए, 12.00 बजे मंत्री जी आएंगे। **...(व्यवधान)...**

श्री नरेश अग्रवाल : श्रीमन्, यह हिन्दी और क्षेत्रीय भाषाओं की बात है। **...(व्यवधान)...**

श्री सभापति : कितने लोग एक साथ बोलेंगे? **...(व्यवधान)...** नक़वी साहब आप बोलिए। आप क्या कहना चाहते हैं। **...(व्यवधान)...**

श्री नरेश अग्रवाल : श्रीमन्, मेरा अनुरोध है कि प्रधान मंत्री जी आकर इस पर बयान दें। **...(व्यवधान)...**

श्री सभापति : यह 12.00 बजे होगा। **...(व्यवधान)...**

श्री मुख़्तार अब्बास नक़वी : सभापति महोदय, यू.पी.एस.सी. की परीक्षाओं में जो भारतीय भाषाओं के इस्तेमाल की बात है, उनको शामिल करने की बात है, हम इसका समर्थन करते हैं। **...(व्यवधान)...** जो छात्रों की मांग है, वह मांग जायज़ है। **...(व्यवधान)...**

†**جناب مختار عباس نقوی** : سبھا پتی مہودے، یو.پی.ایس.سی. کی پریکشاؤں میں جو بھارتی بھاشاؤں کے استعمال کی بات ہے، ان کو شامل کرنے کی بات ہے، ہم اس کا سمرتھن کرتے ہیں ..(مداخلت)... جو چھاتروں کی مانگ ہے، وہ مانگ جائز ہے ..(مداخلت)...

MR. CHAIRMAN: One by one. ...*(Interruptions)*...

श्री मुख़्तार अब्बास नक़वी : जो छात्रों का आंदोलन है, वह जायज़ है। **...(व्यवधान)...** जहां तक सरकार का सवाल है, हमारी मांग है कि सरकार इस पर प्रभावी कदम उठाए और यू.पी.एस.सी. की परीक्षाओं में भारतीय भाषाओं को शामिल किया जाना चाहिए। **...(व्यवधान)...** सरकार इस बारे में 12.00 बजे अपना वक्तव्य देने वाली है। **...(व्यवधान)...** निश्चित तौर पर 12.00 बजे तक हमें इंतजार करना चाहिए। **...(व्यवधान)...** हम मानते हैं कि सरकार की तरफ से कुछ न कुछ आवश्वासन मिलेगा। **...(व्यवधान)...**

†Transliteration in Urdu Script.

†**جناب مختار عباس نقوی :** جو چھاتروں کا آندولن ہے، وہ جائز ہے...(مداخلت)... جہاں تک سرکار کا سوال ہے، ہماری مانگ ہے کہ سرکار اس پر پربھاوی قدم اٹھائے اور یو۔پی۔ایس۔سی۔ کی پریکشاؤں میں بھارتی بھاشاؤں کو شامل کیا جانا چاہئیے۔ ...(مداخلت)... سرکار اس بارے میں 12:00 بجے اپنا ویکتوے دینے والی ہے ...(مداخلت)... نشچت طور پر 12:00 بجے تک ہمیں انتظار کرنا چاہئیے ...(مداخلت)... ہم مانتے ہیں کہ سرکار کی طرف سے کچھ نہ کچھ آشواسن ملے گا ...(مداخلت)...

श्री सभापति : श्री शरद जी। ...(व्यवधान)... वन मिनट। ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... शरद जी, आप बोलिए। ...(व्यवधान)...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी : सभापति महोदय, यू.पी.एस.सी. में ...(व्यवधान)...

श्री शरद यादव : सभापति जी, ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)...

श्री जगत प्रकाश नड्डा (हिमाचल प्रदेश) : इस विषय पर 12.00 बजे मंत्री जी जवाब देने वाले हैं। ...(व्यवधान)...

श्री विजय गोयल : जब हम छात्रों के समर्थन में खड़े हैं, तो बहस किस बात पर हो रही है? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : एक मिनट प्लीज। आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... Yes, hon. Minister. ...*(Interruptions)*...

श्री रवि शंकर प्रसाद : सर, मैं एक बात कहना चाहता हूं कि यह एक ऐसा विषय है जिस पर पूरे सदन की राय एक है। सरकार इस पर गंभीर है। अभी मैं आपसे विनम्रता से आग्रह करता हूं कि 12.00 बजे मंत्री जी आकर उत्तर देंगे। ...(व्यवधान)...

श्री नरेश अग्रवाल : सरकार बिल्कुल गंभीर नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप सुन लीजिए। ...(व्यवधान)... आप उनकी बात सुन तो लीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री रवि शंकर प्रसाद : सर, मंत्री जी 12.00 बजे हाउस में आ रहे हैं। ...(व्यवधान)... वे इस विषय पर विस्तार से अपनी बात रखेंगे। ...(व्यवधान)... केवल 25 मिनट की बात है। हम मेम्बर्स से आग्रह करेंगे कि वे इस बात को स्वीकार कर लें। ...(व्यवधान)...

---

† Transliteration in Urdu Script.

श्री नरेश अग्रवाल : प्रधान मंत्री जी या लीडर ऑफ दि हाउस को सदन में आकर बयान देना चाहिए।...**(व्यवधान)**...

डा. विजयलक्ष्मी साधौ (मध्य प्रदेश) : सर, प्रधान मंत्री जी को आकर स्टेटमेंट देना चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: The House is adjourned till 12.00 hrs.

The House then adjourned at twenty four minutes past eleven of the clock.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Freedom from hunger scheme

*261. SHRI SHANTARAM NAIK: Will the Minister of CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION be pleased to state:

(a) whether Government of Goa is implementing a scheme called Freedom from Hunger;

(b) if so, the details thereof including financial and other burden, if any, shared between Central and State Government during the last three years, year-wise;

(c) whether the Scheme is linked to the National Food Security Act; and

(d) if so, to what extent the same is linked to this Act or any other Act or scheme, the details thereof?

THE MINISTER OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI RAMVILAS PASWAN): (a) No Sir.

(b) to (d) Do not arise.

Interest-free loan to sugarcane growers

*262. DR. E. M. SUDARSANA NATCHIAPPAN: Will the Minister of CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION be pleased to state:

(a) whether Government would utilise the Sugar Fund accumulated through sugar cess for giving interest-free loans to sugarcane growers to bring them out of debt trap; and

(b) if so, whether the Ministries of Agriculture and Finance would bear the interest